

Hindi Murli Quiz 28-03-2015

ये क्विज आज की मुरली पर आधारित है। मुरली सुनने के लिए [यहाँ](#) क्लिक करें। पुरानी क्विज के लिए [यहाँ](#) क्लिक करें।

Q.1) शब्दों को अर्थों के अनुसार जोड़ें --

	Choice		Match
A	आत्मा और परमात्मा दोनों एक जैसे ही हैं, सिर्फ उनको सुप्रीम कहा जाता है।	1	यह शरीर इस दादा का है। मेरा कोई शरीर का नाम नहीं। मेरा नाम ही है कल्याणकारी शिव।
B	हनूमान की भी कितनी पूजा करते हैं लेकिन जानते कुछ भी नहीं।	2	तुमको स्वीट चिल्ड्रेन कैसे कहूँ।
C	अभी तुम आये हो बेहद के बाप पास। मैं तो पुनर्जन्म रहित हूँ।	3	बाप आकर समझाते हैं - तुम्हारी बुद्धि बन्दर मिसल हो गई है।
D	शिव काशी, शिव काशी कहते रहते हैं। भक्ति मार्ग में अनेक प्रकार के नाम रख दिये हैं।	4	बाकी यह रावण दुश्मन तुम्हारे सामने खड़ा है।
E	बाप कहते हैं तुमको कोई तकलीफ नहीं देता हूँ। बहुत सहज है।	5	यह ड्रामा में नूँध है।
F	बाप कहते हैं-मैं तो अमर हूँ। मैं अमर न होता तो तुमको पावन कैसे बनाऊँ।	6	कमाई के लिए अनेक मन्दिर बनाये हैं।

Q.2) सोमनाथ के साथ सोमनाथिनी भी होगी! यथा राजा रानी तथा प्रजा सब सोमनाथ सोमनाथिनी हैं।

- A. ☐ True / ये वाक्य सही है
B. ☐ False / ये वाक्य गलत है

Q.3) अच्छा, कोई जास्ती नहीं याद कर सकते हैं तो बाप कहते हैं सिर्फ अल्फ और बे, बाप और बादशाही को याद करो। अन्दर में यही धुन लगा दो कि

- A. ☐ हम ही पूज्य से पुजारी और पुजारी से पूज्य बनते हैं।
B. ☐ हम जाकर महाराजा - महारानी बनेंगे।
C. ☐ हम आत्मा कैसे 84 का चक्र लगाकर आई हैं।

Q.4) शब्दों को अर्थों के अनुसार जोड़ें --

	Choice		Match
A	ब्राह्मण जीवन की पर्सनेलिटी	1	बंधन नहीं लगेगा।
B	स्नेह और सहयोग के साथ शक्ति की एडीशन करो	2	आत्मिक रूप।
C	निरन्तर योगी बनने का सहज साधन	3	बुद्धि की महीनता अथवा आत्मा का हल्कापन
D	पर-वृत्ति अर्थात्	4	प्रवृत्ति में रहते पर-वृत्ति में रहना।
E	जो आत्मिक रूप में स्थित रहता है	5	वह सदा न्यारा और बाप का प्यारा बन जाता है।
F	प्रवृत्ति में रहते आत्मिक रूप में रहने से सब खेल की तरह सहज अनुभव होगा।	6	हाईजम्प लगा लेंगे।

Q.5) शब्दों को अर्थों के अनुसार जोड़ें --

	Choice		Match
A	अभी तुम बच्चे जीते जी मरे हुए हो। कैसे मरे हो?	1	मुझ बाप को याद करो तो तुम तमोप्रधान से सतोप्रधान बन जायेंगे। यह याद का अभ्यास पक्का चाहिए।
B	आत्मा पवित्र बन गई तो फिर	2	हम आपके हो चुके, जीते जी मर चुके।
C	अभी तुम बच्चे समझते हो हम जीते जी इस पुरानी दुनिया से, पुराने शरीर से मर चुके हैं फिर तुम आत्मार्थ भी शरीर छोड़ कहाँ जायेंगी?	3	हम आत्मा हैं, शरीर नहीं।
D	पहले-पहले तो यह पक्का याद करना है	4	अपने घर।
E	आत्मा कहती है-बाबा	5	यह पुराना शरीर आपेही छूट जायेगा।
F	अब आत्मा को फरमान मिला हुआ है कि	6	देह के अभिमान को छोड़ दिया तो बाकी रही आत्मा।

Q.6) शब्दों को अर्थों के अनुसार जोड़ें --

	Choice		Match
--	--------	--	-------

A	अगर अपने को बचची कहेंगे तो	1	फिर कह देते अंगुष्ठे मिसल है।
B	बाप सबको कहते हैं-रुहानी बच्चों मुझे याद करो। आत्मा कितनी छोटी है।	2	तो बनाते भी मोटे रूप में हैं।
C	मनुष्य मुख से कहते भी हैं कि आत्मा स्टॉर है, भ्रुकुटी के बीच में रहती है	3	तुमको तो गृहस्थ व्यवहार में, धन्धे आदि में रहते हुए बुद्धि में यह पक्का करना है-हम आत्मा हैं।
D	मनुष्य देह-अभिमानि हैं ना	4	मेरे में सारा ज्ञान है।
E	भक्ति भी मनुष्य एकान्त में, कोठी में बैठ करते हैं।	5	यह है बहुत महीन समझने की बातें।
F	बाप कहते हैं-मैं तुम्हारा बाप भी इतनी छोटी बिन्दू हूँ। ऐसे नहीं कि मैं बड़ा हूँ।	6	वर्सा कैसे मिलेगा?

Q.7) बाप कहते हैं-मुझे याद करो, और कोई को याद न करो। योगी तो दुनिया में कोई है नहीं।

- A. ☐ True / ये वाक्य सही है
B. ☐ False / ये वाक्य गलत है

Q.8) चलते फिरते एक-दो को सावधान करना है-_____।

- A. ☐ किसी की भी देह की आकर्षण में मत आओ।
B. ☐ आत्मा-आत्मा भाई-भाई
C. ☐ चक्र फिराते रहो
D. ☐ मन्मनाभव

Q.9) जैसे बाप ऑर्डिनेंस निकालते हैं कि विकार में नहीं जाना है, ऐसे यह भी ऑर्डिनेंस निकालते हैं कि

- A. ☐ किसको रोना नहीं है।
B. ☐ कभी गुस्सा नहीं करो।
C. ☐ किसी की भी देह को याद मत करो।

Q.10) एक बाप के सिवाए और कोई को याद नहीं करना है। वानप्रस्थी जो होते हैं वह सन्यासियों का जाए संग करते हैं। वानप्रस्थ, वहाँ वाणी का काम नहीं है। आत्मा शान्त रहती है। लीन तो हो नहीं सकती।

- A. ☐ प्यार में लीन होने की बात है।
B. ☐ इसलिए कहते हैं - झूटी माया झूटी काया...।
C. ☐ ड्रामा से कोई भी एक्टर निकल नहीं सकता।